पुष्पांजलि अटल जी की जयंती पर हर बूथ पर अर्पित किए गये श्रद्धा-सुमन, सुशासन के संकल्प को दोहराया

बूथ स्तर पर मनाया सुशासन दिवस

कोतमा, नवभारत 25 दिसंबर। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती (25 दिसंबर) के अवसर पर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नगर मंडल कोतमा ने गुरुवार को सभी बूथों पर 'सुशासन दिवस' के रूप में भव्य आयोजन किया। इस दौरान मंडल के सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके 'सुशासन' के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

प्रमुख कार्यक्रम और गतिविधियाँ

मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन के निर्देशानुसार, बूथ स्तर पर आयोजित इन कार्यक्रमों में वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी की।

पुष्पांजलि कार्यक्रम: प्रत्येक बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से भारत रत्न अटल जी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा: इस अवसर पर बूथ समितियों की बैठकें आयोजित की गईं, जिसमें अटल जी के राष्ट्र निर्माण, पोखरण परीक्षण, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना और ग्रामीण विकास के प्रति उनके दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने उनके नैतिक मूल्यों और सादगीपूर्ण राजनीतिक जीवन को प्रेरणास्रोत बताया। सुशासन की शपथ: कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्थापित 'सुशासन' के उच्च मापदंडों का पालन करने और सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध रहने की शपथ ली।

वरिष्ठ नेताओं का संबोधन

मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन, कैलाश जैन, रत्नेश उपाध्यक्ष, सीमा व्योहार, छाया सोनी, प्रभात मिश्रा, हनुमान गर्ग ने मुख्य कार्यक्रम स्थल पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, 'अटल जी का जीवन हमें राजनीति में मूल्यों और पारदर्शिता को बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उनके जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाना हमारे लिए गौरव की बात है। हमने बूथ स्तर पर उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया है ताकि जनकल्याण हमारी कार्यशैली का केंद्र बना रहे।'

जन-जन तक पहुँचेगा सुशासन का संदेश

कोतमा नगर मंडल के इस व्यापक आयोजन ने यह सुनिश्चित किया कि पार्टी का संदेश जमीनी स्तर तक पहुँचे। कार्यकर्ताओं ने यह दोहराया कि वे अटल जी के 'अंत्योदय' के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसका लक्ष्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति का उत्थान करना है।

प्रभु यीशु के जन्म दिवस पर गिरजाघरों में प्रार्थना सभाएं

उपहार बांटकर मनाया गया क्रिसमस

अनूपपुर, नवभारत 25 दिसंबर। क्रिसमस पर्व के अवसर पर रविवार 25 दिसम्बर को जिलेभर के गिरजाघरों में प्रभु यीशु के जन्मोत्सव की धूम देखने को मिली। अनूपपुर, जैतहरी, भालूमाड़ा, कोतमा, राजनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में स्थित चर्चों में रात 12 बजे प्रभु यीशु के आगमन पर विशेष आराधना की गई। इसके बाद सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ गिरजाघरों में पहुंचती रही। जिला मुख्यालय के भारत ज्योति स्कूल स्थित कैथोलिक चर्च में फादर अलखजेंडर तथा पुराने चर्च में फास्टर दीपक दास के नेतृत्व में प्रार्थना सभा आयोजित की गई। नए परिधानों में सजे-धजे ईसाई समुदाय के लोगों ने बाइबिल का वाचन करते हुए विश्व कल्याण, भाईचारा और मानव सेवा का संदेश दिया। प्रार्थना के उपरांत लोगों ने एक-दूसरे को उपहार देकर 'हैप्पी क्रिसमस' की शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व 23 दिसम्बर की शाम से ही चर्चों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और मसीही समाज द्वारा कैरोल गीत व ज्योति आराधना आयोजित की गई। 24 दिसम्बर की मध्यरात्रि में कैंडल जलाकर प्रभु के मार्ग को प्रकाशमान किया गया। 25 दिसम्बर की सुबह सामूहिक प्रार्थना के साथ विशेष भोज का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने आपस में मिलकर स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। घरों और चर्चों के बाहर लगाए गए सितारे क्रिसमस के प्रतीक के रूप में आकर्षण का केंद्र बने रहे।

बदरा-जमुना में रहा विशेष उत्साह

कोतमा के बदरा-जमुना स्थित चर्च में की गई आकर्षक सजावट खास चर्चा का विषय रही। यहां सुबह से देर शाम तक प्रार्थना, कैरोल गीतों और सामूहिक भोजन का क्रम चलता रहा। अन्य समुदाय के लोगों ने भी चर्च पहुंचकर ईसाई धर्मावलंबियों को उपहार देकर पर्व की शुभकामनाएं दीं।

नगरपालिका परिषद बिजुरी में मनाई गई अटल बिहारी वाजपेयी जयंती

सुशासन दिवस के रूप में किया गया आयोजन, योगदान को किया स्मरण

बिजुरी, नवभारत 25 दिसंबर। नगरपालिका परिषद बिजुरी में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम नगरपालिका स्थित परिसर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत अटल जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के लघु एवं कुटीर उद्योग विभाग के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल, नगरपालिका अध्यक्ष सहबीन पनिका, उपाध्यक्ष प्रीति शर्मा तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी पवन साहू सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि अटल जी ने भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाकर विश्व पटल पर देश की पहचान मजबूत की। उन्होंने कहा कि अटल जी का मुख्य संदेश था देश सर्वोपरि और सुशासन का यही मूल मंत्र है। हमें उनके जीवन व विचारों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान देना चाहिए। मुख्य नगरपालिका अधिकारी पवन साहू ने सभी कर्मचारियों से ईमानदारी व निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब प्रत्येक कर्मचारी अपना कार्य पूरी जिम्मेदारी से करेगा, तभी सुशासन स्वत: स्थापित होगा। कार्यक्रम में यह घोषणा भी की गई कि नगर के प्रवेश द्वार केनापारा से शहर में आने वाले मुख्य मार्ग का नाम अब अटल बिहारी वाजपेयी पथ होगा। वहीं बनिया तालाब का नाम बदलकर अटल बिहारी वाजपेयी सरोवर रखा जाएगा। नगरपालिका अध्यक्ष सहबीन पनिका ने कहा कि अटल जी का जीवन सिखाता है कि राजनीति सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण का मार्ग है। वे हमेशा सुशासन के प्रतीक के रूप में याद किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम में नगरपालिका पार्षद गुंजन साहू, लक्ष्मी शुक्ला, अन्नू देवी, हुसैन, विमला पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष रिंकू शर्मा, राजनगर मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी, महामंत्री कैलाश कोल, पूर्व उपाध्यक्ष सतीश शर्मा, विधायक प्रतिनिधि दीपक शर्मा, सांसद प्रतिनिधि गयाबोध मिश्रा, राजस्व निरीक्षक लखनलाल पनिका, डी.एन. मिश्रा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, नगरपालिका कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कुएं में गिरने से महिला की मौत

जमुना कोतमा, नवभारत 25 दिसंबर। जमुना कोतमा थाना चौकी फूनगा क्षेत्र के मौहार टोला में बुधवार रात्रि एक महिला की कुएं में गिरने से मौत हो गई। मृतका की पहचान फूलमती बाई (उम्र 45 वर्ष), पति बुद्ध सेन सिंह, निवासी मौहार टोला पाली के रूप में हुई है प्राप्त जानकारी के अनुसार फूलमती बाई रात के समय किसी कारणवश घर के पास स्थित कुएं के समीप गई थीं, इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे कुएं में गिर गईं। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन एवं ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई सूचना पर फूनगा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है तथा घटना के कारणों की विवेचना की जा रही है घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल है।

धान चोरी के विवाद में पिता ने कुल्हाड़ी से की बेटे की हत्या

अनूपपुर, नवभारत 25 दिसंबर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के ग्राम पंचायत देवरी के मौहरी देवान टोला में पारिवारिक विवाद ने एक खौफनाक रूप ले लिया। धान चोरी को लेकर हुए झगड़े में एक पिता ने अपने ही बेटे की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पिता मौके से फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी पिता अमेरा सिंह के बेटे राजबहोर सिंह पर रोजाना धान चोरी करने का आरोप था। पिता ने कई बार उसे समझाने की कोशिश की, मगर वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा था। गुरुवार सुबह भी जब पिता ने उसे धान चोरी से मना किया, तो दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। इसी दौरान बेटे ने कथित तौर पर

पिता पर हाथ उठा दिया। इससे गुस्से में आकर पिता ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे राजबहोर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस चौकी फुनगा की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी पिता फरार हो गया है और उसकी तलाश जारी है। साथ ही, पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

एक नजर में

अनूपपुर में कलेक्टर ने की समीक्षा बैठक

अनूपपुर, नवभारत 25 दिसंबर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने बुधवार को कलेक्ट्रेट के नर्मदा सभागार में विभिन्न विभागों की समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में जिले में संचालित अटल ई-सेवा केंद्रों के संचालन, जल संरक्षण, नल जल योजना, महिला एवं बाल विकास, उद्यानिकी और नगरीय विकास योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने जानकारी प्राप्त की कि जिले के 32 ग्राम पंचायतों में अटल ई-सेवा केंद्र प्रारंभ किए जा चुके हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों में केंद्रों का सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामवासी शासन द्वारा निर्धारित दरों पर शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ उठा सकें। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग से जल संरक्षण हेतु बोरी बंधान कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शेष जल संरचनाओं में भी यह कार्य जल्द पूरा किया जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल योजना और हैंडओवर योजना की मॉनिटरिंग की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

आदिवासी युवक रोहित सिंह गौड़ को मिला रोजगार

जमुना-कोतमा, नवभारत 25 दिसंबर। कोयला मजदूर सभा (एचएमएस) की वर्षों लंबी संघर्षपूर्ण पहल के बाद अमादांड ओसीपी में कार्यरत दिवंगत कर्मी के पुत्र रोहित सिंह गौड़ को अंतत: रोजगार मिल गया। रोहित सिंह गौड़ के पिता स्व. रामप्रीत सिंह गौड़ का वर्ष 2012 में अमादांड ओसीपी में कार्य के दौरान निधन हो गया था। इसके बाद रोहित पिछले 6-7 वर्षों से विभिन्न संगठनों के सहारे रोजगार के लिए कार्यालयों के चक्कर काटते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। एचएमएस के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला से संपर्क होने के बाद प्रकरण को गंभीरता से लिया गया। श्रीकांत शुक्ला ने रोहित के घर जाकर वस्तुस्थिति जानी और अमादांड ओसीपी से लेकर बिलासपुर तक सतत संघर्ष किया। लगभग 3-5 वर्षों की लंबी कानूनी व संगठनात्मक लड़ाई के बाद 24 दिसंबर 2025 को रोहित सिंह गौड़ को रोजगार दिलाने में सफलता मिली।

मीरा खदान बंद करने के विरोध में दूसरे दिन भी धरना जारी

अनूपपुर, नवभारत 25 दिसंबर। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के जमुना-कोतमा क्षेत्र की मीरा खदान को बिना पूर्व सूचना एवं संवैधानिक प्रक्रिया के अचानक बंद किए जाने के विरोध में मजदूर संगठनों का आंदोलन गुरुवार को भी जारी रहा। महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष संयुक्त मोर्चा के बैनर तले दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में श्रमिक, पदाधिकारी एवं विभिन्न खदानों के कामगारों ने प्रदर्शन किया। संयुक्त मोर्चा ने विगत दिनों ही महाप्रबंधक को पत्र देकर चेतावनी दी थी कि यदि मीरा खदान को पुन: संचालित नहीं किया गया तो कोयला जावक (परिवहन) बंद करने सहित कठोर आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे। मजदूर संगठनों का आरोप है कि 15 दिसंबर से खदान उत्पादन को बंद कर, मशीनों को बाहर निकाला जा रहा है, जबकि इस निर्णय पर न तो प्रबंधन इकाई समिति, क्षेत्रीय समिति या कंपनी समिति से कोई चर्चा की गई और न ही श्रम कानूनों का पालन किया गया। संगठनों ने दावा किया कि मीरा खदान ने पिछली वित्तीय वर्षों में उत्पादन लक्ष्य भी हासिल किया है तथा यहां 9 वर्ष से अधिक का कोयला रिजर्व उपलब्ध है। ऐसे में खदान बंद किए जाने से उत्पादन-उत्पादकता प्रभावित होगी।

1.80 करोड़ कीमत का गांजा जब्त

ओडिशा से मप्र ला रहे थे 599 किलो गांजा

अनूपपुर, , नवभारत 25 दिसंबर। मध्य प्रदेश एसटीएफ जबलपुर की टीम ने बुधवार-गुरुवार की देर रात तस्करी में लिप्त एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 599 किलोग्राम गांजा जप्त किया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 1 करोड़ 80 लाख रुपए आंकी गई है। इसके साथ ही, तस्करी में उपयोग किए जा रहे करीब 30 लाख रुपए मूल्य के ट्रक को भी जब्त कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार ओडिशा के संभल से मैहर (मध्य प्रदेश) की ओर जा रहा ट्रक क्रमांक जेएच 02 बीएल 7103 को छत्तीसगढ़-मध्य प्रदेश की सीमा के नजदीक अनूपपुर जिले के जैतहरी थाना क्षेत्र में स्थित ऑक्सीजन प्लांट के पास रोका गया। मुखबिर से मिली सूचना के बाद एसटीएफ टीम ने ट्रक की घेराबंदी कर कार्रवाई को अंजाम दिया। तस्करों ने गांजे की तस्करी के लिए अत्यंत चालाकी से ट्रक में लोहे की चादर से बना एक गुप्त कंपार्टमेंट तैयार किया था, जिसमें गांजे के पैकेट छुपाए गए थे, ताकि जांच के दौरान पकड़ में न आएं। एसटीएफ ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है कि धनंजय सिंह निवासी दीनापुर जिला सतना, अंकित विश्वकर्मा निवासी ग्राम कामर्दी जिला सीधी है। एसटीएफ के अनुसार यह नेटवर्क लंबे समय से अंतर्राज्यीय स्तर पर नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा था। मामले में आगे जांच जारी है तथा आरोपियों के अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

धनगवां के जंगल में दो दिन से तीन हाथियों का डेरा

ग्रामीण के कच्चे मकान में की तोड़फोड़

अनूपपुर, नवभारत 25 दिसंबर। छत्तीसगढ़ सीमा से भटके तीन जंगली हाथियों का दल एक बार फिर अनूपपुर जिले में सक्रिय हो गया है। बीते दो दिनों से यह समूह जैतहरी वन परिक्षेत्र के धनगवां बीट के जंगलों में डेरा जमाए हुए है। गुरुवार की सुबह इन हाथियों ने कुसुमहाई गांव के झंडीटोला में एक ग्रामीण के कच्चे मकान में घुसकर तोड़फोड़ कर दी। जानकारी के अनुसार 23 दिसंबर की रात तीन हाथियों का यह दल एक माह बाद पुन: छत्तीसगढ़ के मरवाही वन मंडल से होते हुए मध्यप्रदेश की सीमा पार कर चोलना गांव पहुंचा। इसके बाद ये हाथी कट्टीटोला, डोंगरीटोला, बचहाटोला, कुकुरगोंड़ा, बड़काटोला और कनईटोला की ओर बढ़ते हुए बुधवार की सुबह धनगवां बीट के जंगल में दाखिल हुए, जहाँ पूरे दिन विश्राम करते रहे।

वन विभाग के अनुसार बुधवार और गुरुवार की मध्यरात्रि तक हाथी जंगल से बाहर नहीं निकले, परंतु सुबह अचानक वे कुसुमहाई गांव में घुस आए और ग्रामीण बाल सिंह पिता कुन्नालाल सिंह के कच्चे घर के आसपास जमकर उत्पात मचाया। हाथियों को अचानक देखकर परिवार के लोग घबराए और सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। बाद में वन विभाग की गश्ती टीम और ग्रामीणों के सहयोग से हाथियों को फिर से जंगल की ओर खदेड़ा गया। हाथियों के दोबारा जंगल में लौटने के बाद भी खतरा बना हुआ है। वन विभाग और ग्राम पंचायत लगातार प्रभावित क्षेत्रों में गश्त कर रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की गई है।

वन विभाग ने निर्देश दिए है कि हाथियों की संभावित गतिविधियों वाले इलाकों में सतर्क रहें, किसी भी प्रकार की जानकारी तुरंत वन विभाग को दें, हाथियों के विचरण क्षेत्र में दिन के समय भी जंगल की ओर न जाएँ, गाँव से बाहर खेतों व एकांत में बने कच्चे मकानों में शाम होते ही न रुकें, ग्रामीणों से सतर्कता बरतने और समूह में रहने की सलाह देते हुए वन विभाग ने कहा है कि जब तक हाथी पूरी तरह क्षेत्र से बाहर न चले जाएँ, अनावश्यक जोखिम लेने से बचें।

रिकॉर्ड लगातार 450 दिन तक उत्पादन करने वाली प्रदेश की पहली यूनिट

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की यूनिट-5 ने बनाया नया रिकॉर्ड

अनूपपुर, नवभारत 25 दिसंबर। अनूपपुर जिले स्थित मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) के अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई की 210 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट नंबर-5 ने इतिहास रच दिया है। इस यूनिट ने लगातार 450 दिन तक निर्बाध रूप से बिजली उत्पादन कर राज्य को ऊर्जा उपलब्ध कराते हुए अनोखा रिकॉर्ड बनाया है। यह मध्यप्रदेश की पहली ऐसी विद्युत उत्पादन यूनिट बन गई है, जो इतने लंबे समय तक लगातार संचालित रही है। यह यूनिट 1 अक्टूबर 2023 से बिना बाधा के संचालित हो रही है। इससे पहले गत 4 अक्टूबर 2024 को इसने लगातार 365 दिन उत्पादन का मुकाम हासिल किया था। निर्बाध संचालन से राज्य के विद्युत ग्रिड को मजबूती मिली और घरेलू व औद्योगिक उपभोक्ताओं को सतत बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हुई। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई तथा एमपीपीजीसीएल के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर चचाई के अभियंताओं व कार्मिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता टीम की मेहनत, तकनीकी दक्षता और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

दर्शाए उच्च प्रदर्शन सूचकांक

लगातार संचालन के दौरान यूनिट नंबर-5 ने 98.48 प्रतिशत प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर (पीएफ), 94.91 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) और 9.29 प्रतिशत सहायक विद्युत खपत (एपीसी) दर्ज की है। ये आंकड़े संयंत्र की विश्वसनीयता और टेक्नोलॉजिकल एक्सीलेंस को प्रमाणित करते हैं। प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि इस उपलब्धि ने यह धारणा भी तोड़ी है कि एमपीपीजीसीएल की ताप विद्युत इकाइयाँ उच्च प्रदर्शन नहीं कर सकतीं।

उन्होंने बताया कि बॉयलर, टरबाइन, जनरेटर सहित सभी प्रणालियों के सटीक रखरखाव और निगरानी से ही इतना चुनौतीपूर्ण लक्ष्य संभव हो पाया है। यूनिट-5 की सफलता मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के लिए एक नया मानदंड स्थापित कर अन्य ताप विद्युत केंद्रों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गई है।

नववर्ष पर लाखों लोगों के पहुंचने की संभावना

अनूपपुर, नवभारत 25 दिसंबर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थित मां नर्मदा जी की उद्गम स्थली पवित्र नगरी अमरकंटक में गुरुवार को शीतकालीन अवकाश के चलते श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी। लोग नर्मदा नदी में पवित्र स्नान कर नर्मदा उद्गम मंदिर सहित अन्य धार्मिक व दर्शनीय स्थलों के दर्शन कर रहे हैं। विद्यालयों में सात दिवसीय शीतकालीन अवकाश होने से बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा भी अपने परिजनों के साथ अमरकंटक पहुंचे। श्रद्धालुओं ने रामघाट, कोटि तीर्थ कुंड एवं अन्य नर्मदा घाटों पर आस्था की डुबकी लगाई, जिसके बाद मंदिरों में पूजन-अर्चन किया गया।

शाम को नर्मदा मंदिर का फाटक खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ और अधिक बढ़ गई, जो रात्रि 9 बजे तक अनवरत रूप से दर्शन करती रही। रामघाट पार्किंग क्षेत्र में बसों और चौपहिया वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। इधर, भीड़ बढ़ने के बावजूद नर्मदा तट, मंदिर परिसर एवं प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा इंतजामों को अपर्याप्त माना जा रहा है। अमरकंटक के सभी होटल, लॉज, होमस्टे और यात्री निवास पहले से ही पूरी तरह भरे हुए हैं। अधिकांश आगंतुकों ने अग्रिम आरक्षण करा लिया है।